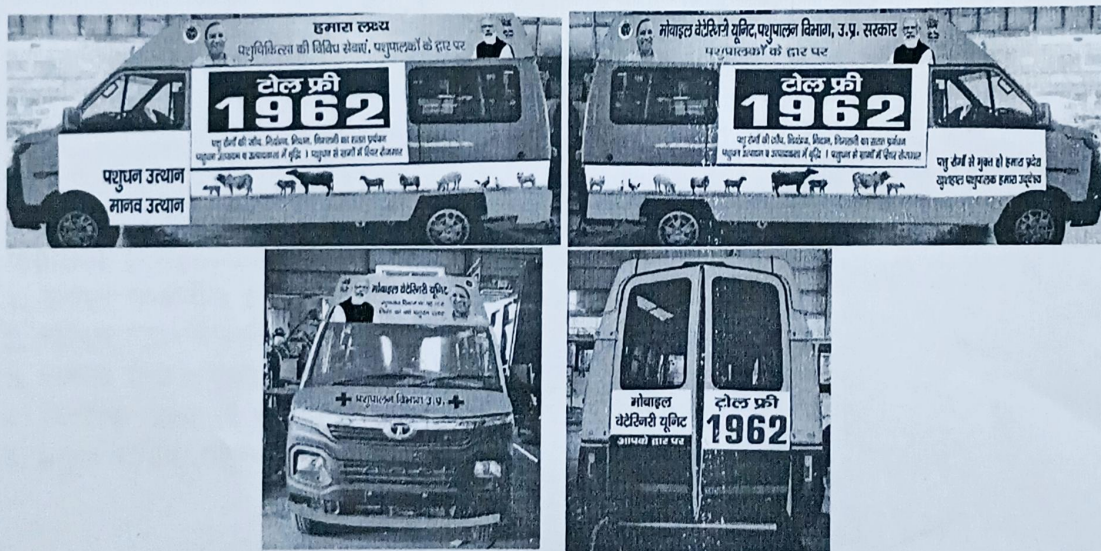


निदेशक,
रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र,
पशुपालन विभाग, उ०प्र०

समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी,
पशुपालन विभाग, उ०प्र०।

विषय: भारत सरकार की अन्नेला स्कीम पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजनान्तर्गत प्रदेश अंतर्गत स्थापित की जाने वाली मोबाईल वेटेरिनरी यूनिट के जनपदवार आवंटन के संबंध में।

कृपया अवगत कराना है कि भारत सरकार की अग्रेला स्कीम “पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजना” की गार्डइलाइन्स अंतर्गत सम्मिलित योजना “पशुचिकित्सालयों एवं पशु सेवा केन्द्रों का सुदृढीकरण—मोबाईल वेटेरिनरी यूनिट” अंतर्गत पशुचिकित्सा सेवा पशुपालकों के द्वार पर उपलब्ध कराने एवं अच्छादन बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानक यथा प्रत्येक एक लाख पशुधन की संख्या पर एक मोबाईल यूनिट की स्थापना के अनुसार प्रदेश में 520.37 लाख गाय एवं भैंसों की संख्या के सापेक्ष 520 मोबाईल वेटेरिनरी यूनिट की स्थापना की जा रही है। प्रत्येक वाहन में एक पशुचिकित्सक, एक पैरा-वेटेरिनरी स्टाफ तथा एक ड्राइवर कम सहायक की सेवाएँ सेवा प्रदाता संस्था के माध्यम से कार्मिकों की सेवाएँ प्राप्त की जायेगी। परियोजनान्तर्गत टाटा विंगर—3488 वाहन का चयन किया है जिसमें आवश्यकतानुसार/निविदा की शर्तों के अनुरूप फ़ब्रिकेशन तथा अन्य आवश्यक कार्य पूर्ण कराने की कार्यवाही क्रमित है।



पशुपालकों के द्वार पर पशु चिकित्सा/लघु शल्य चिकित्सा एवं अन्य समानान्तर कार्यों हेतु वर्तमान में मोबाईल पशु चिकित्सा सेवाओं की प्रासंगिकता अधिक हो गयी है। अतः प्रदेश में मोबाईल पशुचिकित्सालयों की स्थापना सूदूर ग्रामीण अंचलों तक पशुपालन से संबन्धित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में सहायता प्राप्त होगी। वाहनों का संचालन, मरम्मत आदि कार्य चयनित सेवा प्रदाता फर्म द्वारा किया जाना निहित है परन्तु वाहन को राजकीय

भवन/प्रागण में सुरक्षित रखनाने/स्टेशन करने की जिम्मेवारी विभाग की है। अतः जनपदवार संलग्नकानुसार आवंटित मोबाईल वेटेरिनरी यूनिट के संचालन हेतु क्षेत्र का चयन इस प्रकार निर्धारित करते हुए कि समस्त जनपद आच्छादित हो सके एवं उक्त क्षेत्र में वाहन के रख-रखाव की सुविधा उपलब्ध हो।

उपरोक्त कार्यक्रम भारत सरकार एवं राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना का अंग है अतः इस योजनान्तर्गत निहित उद्देश्यों यथा पशु चिकित्सा सेवा एवं पशु स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधायें मोबाइल वैन की सहायता से पशुपालकों के द्वार पर उपलब्ध कराना, प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में निवास कर रहे पशुपालकों के पशुओं को उन्नत स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना, विषय विशेषज्ञों की सहायता से पशु चिकित्सा, सेवाओं को सुदृढ़ करना, पशुओं में उत्पन्न होने वाली बीमारियों के निदान हेतु ग्राम स्तर पर ही रोंगों की जाँच, पैथालौजी की सुविधा, रोग निदान सुविधा उपलब्ध कराना, पशु बीमारियों पर नियंत्रण स्थापित करना एवं प्रदेश में होने वाली प्रमुख बीमारियों की निगरानी कर उचित व तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना की पूर्ति यथा आवश्यकता एवं ससमय सुनिश्चित कराया जाना विभाग की प्राथमिकता है।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

hnm/06(01/22

(डा० इन्द्रमणि)

निदेशक,

रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र

पत्रांक: /सा०-१/एक्स-८४/एमवीयू-ईएसवीएचडी/२०२१-२२ तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक, पशुपालन विभाग, उ०प्र०।
2. समस्त जिलाधिकारी, उ०प्र०।
3. समस्त मण्डलायुक्त, उ०प्र०।
4. निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग, उ०प्र०।
5. प्रमुख सचिव, पशुधन, उ०प्र० शासन।

(डा० इन्द्रमणि)

निदेशक,

रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र

क्र0स0	जनपद	मोबाईल वेटेरिनरी यूनिट संख्या
1	आगरा	13
2	मथुरा	8
3	फिरोजाबाद	8
4	मैनपुरी	7
5	अलीगढ़	13
6	एटा	7
7	हाथरस	5
8	कासगंज	6
9	सहारनपुर	7
10	मुजफ्फरनगर	8
11	शामली	4
12	अमरोहा	7
13	बिजनौर	10
14	मुरादाबाद	6
15	रामपुर	5
16	संभल	9
17	जालौन	6
18	ललीतपुर	7
19	झांसी	5
20	मेरठ	8
21	गाजियाबाद	3
22	जीबी नगर	4
23	हापुड़	3
24	बागपत	5
25	बुलंदशहर	13
26	बरेली	9
27	शाहजहांपुर	13
28	पीलीभीत	4
29	शाहजहांपुर	9
30	लखनऊ	5
31	हरदोई	12
32	खीरी	12
33	सीतापुर	12
34	रायबरेली	9
35	उन्नाव	10
36	चित्रकूट	5
37	हमीरपुर	4
38	महोबा	3
39	बाँदा	7

क्र०स०	जनपद	मोबाईल वेटेरिनरी यूनिट संख्या
40	कानपुर नगर	7
41	कानपुर देहात	8
42	औरैया	5
43	इटावा	5
44	कन्नौज	7
45	फर्रुखाबाद	6
46	कौशाम्बी	5
47	फतेहपुर	8
48	प्रतापगढ़	11
49	प्रयागराज	13
50	मिर्जापुर	8
51	सोनभद्र	7
52	भदोही	4
53	चंदौली	7
54	जौनपुर	11
55	वाराणसी	6
56	आजमगढ़	9
57	बलिया	7
58	मऊ	4
59	गाजीपुर	9
60	अम्बेडकर	6
61	अमेठी	7
62	अयोध्या	6
63	बाराबंकी	8
64	सुल्तानपुर	7
65	श्रावस्ती	3
66	बलरामपुर	4
67	बहराइच	8
68	गोंडा	8
69	गोरखपुर	5
70	देवरिया	5
71	महाराजगंज	2
72	कुशीनगर	3
73	बस्ती	5
74	सिद्धार्थ नगर	3
75	संतकबीर नगर	2
	Total	520

निदेशक,
रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र